/2022 10:15 PM Page 1

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 13 अंक: 243 कानपुर , रविवार 06 मार्च, 2022 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपये

राष्ट्रीय स्वरूप

vaswaroop.in

अक्षर पटेल के श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए फिट होने की उम्मीद 10

17वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक

कर, कृषकों से मांगे गए सुझाव

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित दिलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर 17वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया ।तत्पश्चात केंद्र के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अशोक कुमार ने वर्ष 2021 की प्रगति आख्या एवं वर्ष 2022 की कार्यक्रम योजना पर सभी वैज्ञानिकों के साथ विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की। तदुपरांत इस कार्य योजना के अनुमोदन हेतु सभी कृषकों के सुझाव मांगे गए जिसमें प्रगतिशील कृषक धाकड़ शिवली के संतोष कुमार बाजपेई ने जैविक उत्पादों की बाजार समस्या बताइ। इसके उपरांत आईसीएआर अटारी जोन 3 के प्रधान वैज्ञानिक डॉ अतर सिंह ने कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। परंतु जितने भी कार्य किए जा रहे हैं उनके लागत लाभ अनुपात के आंकड़े भी संकलित करने की जरूरत बताई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ एके सिंह

ने कृषि विज्ञान केंद्र को अन्य शोध संस्थानों के साथ मिलकर विभिन्न तकनीकों को कर कृषकों तक पहुंचाने के लिए सम्मिलित रूप से कार्य करने के लिए निर्देशित किया। अंत में केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने धन्यवाद ज्ञापित किया है।तथा कार्यक्रम के अंत में केंद्र पर स्थापित सभी इकाइयों का विभिन्न अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों द्वारा भ्रमण किया गया। बैठक में केंद्र के वैज्ञानिक डॉ अजय कुमार सिंह,डॉ मिथिलेश वर्मा, डॉक्टर अरुण कुमार सिंह, डॉक्टर राजेश राय, उप निदेशक कृषि कानपुर नगर चौधरी अरुण कुमार,भूमि संरक्षण अधिकारी सुमित पटेल, जिला उद्यान अधिकारी सीपी अवस्थी सहित जनपद कानपुर देहात के कृषि विभाग के सभी अधिकारी एवं प्रगतिशील किसान उपस्थित रहे।

06/03/2022

कानपुर जागरण

कानपुर, 6 मार्च, 2

राष्ट्रपति का गांव बनेगा जैव संवर्धित, घर-घर पोषण वाटिका

जागरण विशेष

चंद्रप्रकाश गुप्ता • कानपुर

गांवों में कुपोषण की समस्या दूर करने की केंद्र सरकार की मुहिम के तहत कानपुर देहात स्थित राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द का गांव परौंख भी अब जैव संवर्धित बनेगा। इसके लिए चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए विवि) के कानपुर नगर के शिवराजपुर स्थित दलीपनगर कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने गांव में घर-घर पोषण वाटिका विकसित करानी शुरू की हैं। इनमें पोषण तत्वों से भरपूर सहजन, लौकी, भिंडी, शकरकंद, करौंदा, पपीता आदि का उत्पादन कराया जा रहा है। साथ ही जिले के 30 अन्य गांव भी चिह्नित किए हैं, जिनमें अब तक 451 पोषण वाटिका विकसित की जा चुकी हैं।

राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द का गांव परौंख, जो अब बनेगा जैव संवर्धित • फाइल फोटो

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डा. अशोक कुमार के मुताबिक, वर्ष 2019 में हरित क्रांति के जनक माने जाने वाले एमएस स्वामीनाथन के प्रस्ताव पर केंद्र सरकार ने उप्र के कानपुर देहात, तमिलनाडु के थिरिवल्लूर, महाराष्ट्र के पालघर, ओडिशा के जयपोर जिलों को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए आइसीएआर (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद) को जैव संवर्धित गांव बनाने का सुझाव दिया था। ऐसे गांवों में लोगों को पोषक तत्वों से भरपूर खाद्यान्न उपलब्ध कराकर कुपोषण की समस्या दूर की जाती है। आइसीएआर के निर्देश पर दलीपनगर कृषि विज्ञान केंद्र ने कानपुर देहात के मैथा ब्लाक स्थित अनूपपुर गांव को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लेकर सभी घरों में पोषण वाटिका बनवाई। 900 से ज्यादा जनसंख्या वाले गांव में हुए सर्वे में पांच अतिकुपोषित व 23 कुपोषित बच्चे, 15 एनीमिया की समस्या से ग्रसित महिलाएं मिली थीं। 12 अक्टूबर, 2020 को कार्यक्रम शुरू होने के बाद 15 सितंबर, 2021 तक पूरे गांव में 100 पोषण वाटिका बनाकर कुपोषण मुक्त किया जा चुका है। इसकी रिपोर्ट आइसीएआर को भेजी जा चुकी है। पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के बाद कानपुर देहात के रसूलाबाद, अकबरपुर, संदलपुर, डेरापुर व कानपुर नगर के शिवराजपुर ब्लाक के करीब 30 गांवों को जैव संवर्धित बनाने का काम चल रहा है। इसमें राष्ट्रपति का पैतृक गांव परौंख भी शामिल है। यहां सर्वे के दौरान छह बच्चे और चार महिलाएं कुपोषित पाए गए थे। गांव में राष्ट्रपति के रिश्तेदार रमेश के साथ ही 10 घरों में पोषण वाटिका बनाई जा चुकी हैं।

ब्लाक और गांवों में पोषण वाटिका

अकबरपुर : कुरियनपुरवा, इगरा, रोशनमऊ, मदोली व ढिकनापुर में 70

मैथा : औरंगाबाद, मजिहार व सहतावन का पुरवा में 20

रसूलाबाद : अंजनपुर, इंदौती, दहली, सिसाही, कछपुरवा, उसरी, थानापुरवा, जीतापुरवा, बनपुरवा, नारखुर्द व विचौली में 150

संदलपुर : शिवली व राजापुर में 161

शिवराजपुर : दलीपनगर, बसेन, सिंहपुर, प्रतापपुर व जीनीपुरवा में 50

19 लाख रुपये खर्च किए गए पहले साल

100 वर्ग गज से लेकर 200 वर्गगज भूमि में बनती है पोषण वाटिका

20 लाख रुपये का बजट निर्धारित किया गया दूसरे वर्ष

05 से 10 व्यक्तियों के परिवार को पोषक सब्जियां मिलती हैं

- कानपुर देहात स्थित परौंख गांव समेत पूरा जिला किया जा रहा कुपोषण मुक्त
- सीएसए विवि के कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर के वैज्ञानिक दे रहे प्रशिक्षण
- अनूपपुर गांव जैव संवर्धित, 451 पोषण वाटिका की जा चुकीं विकसित

पोषण वाटिका में पोषक सब्जियां उगाने को वरीयता दी जाती है। इसके लिए उन्हें अच्छी गुणवत्ता के बीज व खाद उपलब्ध कराते हैं।

डा. अशोक कुमार, दलीपनगर कृषि विज्ञान केंद्र, सीएसए विवि

जलकल के महाप्रबंधक नीरज ने बताया। बाधित रहेगा।

औचक निरीक्ष

हिंदुस्तान कानपुर 06/03/2022

अब छात्रों की सहमति से ही होगी सीएसए विश्वविद्यालय की परीक्षा

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

सीएसए में परीक्षा को लेकर चल रहा विवाद फिलहाल थम गया है। अब छात्रों की सहमति से ही सीएसए विवि में परीक्षा होगी। इसके लिए छात्रों को एक प्रारूप में जानकारी देने को कहा गया है। फिलहाल प्रयोगात्मक परीक्षा होती रहेगी। परीक्षाओं को लेकर जल्द ही फैसला लिया जाएगा।

सीएसए में शुक्रवार रात को परीक्षाओं को लेकर छात्रों ने कुलपति आवास और विवि में धरना-प्रदर्शन किया था। देर रात तक नारेबाजी हुई थी। देर रात आश्वासन के बाद शनिवार को छात्रों के प्रतिनिधि, कुलपति समेत कई दिग्गज प्रोफेसरों की बैठक हुई।

देर रात हुई नारेबाजी व हंगामे के लिए छात्रों ने माफी मांगी। कुलसचिव ने बताया कि वरिष्ठ छात्रों के गुमराह करने पर छात्रों ने हंगामा किया था। भविष्य में ऐसा कार्य न करने का आश्वासन छात्रों ने दिया है। ऑनलाइन परीक्षा के लिए छात्रों की सहमति लेने को एक प्रारूप दिया गया है। उसमें उनकी राय के आधार पर आगे का फैसला लिया जाएगा। छात्रों में अब सभी भ्रम और असंतोष खत्म हो गया है। प्रयोगात्मक परीक्षाएं होती रहेंगी। छात्रों की राय आने के बाद परीक्षा को लेकर फैसला होगा।

दैनिक जागरण कानपुर 06/03/2022

किसानों तक पहुंचाएं नवीनतम तकनीक

कानपुर : कृषि विज्ञान केंद्र जो कार्य करा रहा है, उसकी लागत, लाभ व अंनुपात के आंकड़े जुटाएं जाएं। यह बात सीएसए विवि के अधीन संचालित दलीप नगर कृषि विज्ञान केंद्र में शनिवार को 17वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक में आइसीएआर अटारी जोन तीन के प्रधान वैज्ञानिक डा . अतर सिंह ने कही। निदेशक प्रसार डा . एके सिंह ने कृषि विज्ञान केंद्र को शोध संस्थानों के साथ मिलकर विभिन्न तकनीक को कृषकों तक पहुंचाने को कहा। बैठक में मृदा वैज्ञानिक डा . खलील खान केंद्र के अध्यक्ष डा . अशोक कुमार, पशुपालन वैज्ञानिक डा . शशिकांत, डा . अजय कुमार। जासं

Sign in to edit and save changes to this file.

हिंदी दैनिक
यूपी मैसेंजर
जनता की आवाज

रविवार, 06 मार्च, 2022 | लखनऊ से प्रकाशित | वर्ष : 08, अंक : 58, पृष्ठ : 08, मूल्य : 2 रुपये

17वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठककर, कृषकों से मांगे गए सुझाव

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित दिलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर 17वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया।तत्पश्चात केंद्र के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अशोक कुमार ने वर्ष 2021 की प्रगति आख्या एवं वर्ष 2022 की कार्यक्रम योजना पर सभी वैज्ञानिकों के साथ विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की। तदुपरांत इस कार्य योजना के अनुमोदन हेतु सभी कृषकों के सुझाव मांगे गए जिसमें प्रगतिशील कृषक धाकड़ शिवली के संतोष कुमार बाजपेई ने जैविक उत्पादों की बाजार समस्या बताइ। इसके उपरांत आईसीएआर अटारी जोन 3 के प्रधान वैज्ञानिक डॉ अतर सिंह ने कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। परंतु जितने भी कार्य किए जा रहे हैं उनके लागत लाभ अनुपात के आंकड़े भी संकलित करने की जरूरत बताई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ एके सिंह ने कृषि विज्ञान केंद्र को अन्य शोध संस्थानों के साथ मिलकर विभिन्न तकनीकों को कर कृषकों तक पहुंचाने के लिए सम्मिलित रूप से कार्य करने के लिए निर्देशित किया। अंत में केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने धन्यवाद ज्ञापित किया है।तथा कार्यक्रम के अंत में केंद्र पर स्थापित सभी इकाइयों का विभिन्न अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों द्वारा भ्रमण किया गया। बैठक में केंद्र के वैज्ञानिक डॉ अजय कुमार सिंह,डॉ मिथिलेश वर्मा, डॉक्टर अरुण कुमार सिंह, डॉक्टर राजेश राय, उप निदेशक कृषि कानपुर नगर चौधरी अरुण कुमार,भूमि संरक्षण अधिकारी सुमित पटेल, जिला उद्यान अधिकारी सीपी अवस्थी सहित जनपद कानपुर देहात के कृषि विभाग के सभी अधिकारी एवं प्रगतिशील किसान उपस्थित रहे।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्षः13 | अंकः42 | देहरादून, शनिवार, 05 मार्च, 2022 | पृष्ठः08

अपने विचार रखे। सभा की समाप्ति पर अमित मिश्रा आदि उपस्थित थे। वह नहीं माने और उससे अभद्रता करने को मुझे महारत हासिल है ना की जायेगी।

17 वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक संपन्न, कृषकों से मांगे गए सुझाव

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित दिलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर आज 17वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया।तत्पश्चात केंद्र के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अशोक कुमार ने वर्ष 2021 की प्रगति आख्या एवं वर्ष 2022 की कार्यक्रम योजना पर सभी वैज्ञानिकों के साथ विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की। तदुपरांत इस कार्य योजना के अनुमोदन हेतु सभी कृषकों के सुझाव मांगे गए जिसमें प्रगतिशील कृषक धाकड़ शिवली के संतोष कुमार बाजपेई ने जैविक उत्पादों की बाजार समस्या बताई इसके उपरांत आईसीएआर अटारी जोन 3 के प्रधान वैज्ञानिक डॉ अतर सिंह ने कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की परंतु जितने भी कार्य किए जा रहे हैं उनके लागत लाभ अनुपात के आंकड़े भी संकलित करने की जरूरत बताई कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे निदेशक प्रसार: समन्वयक डॉ एके सिंह ने कृषि विज्ञान केंद्र को अन्य शोध संस्थानों के साथ मिलकर विभिन्न तकनीकों को कर कृषकों तक पहुंचाने के लिए सम्मिलित रूप से कार्य करने के लिए निर्देशित किया अंत में केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने धन्यवाद ज्ञापित किया है तथा कार्यक्रम के अंत में केंद्र पर स्थापित सभी इकाइयों का विभिन्न अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों द्वारा भ्रमण किया गया बैठक में केंद्र के वैज्ञानिक डॉ अजय कुमार सिंह, डॉ मिथिलेश वर्मा, डॉक्टर अरुण कुमार सिंह, डॉक्टर राजेश राय, उपनिदेशक कृषि कानपुर नगर चौधरी अरुण कुमार,भूमि संरक्षण अधिकारी सुमित पटेल, जिला उद्यान अधिकारी सीपी अवस्थी सहित जनपद कानपुर देहात के कृषि विभाग के सभी अधिकारी एवं प्रगतिशील किसान उपस्थित रहे।

FOLLOW US www.janmattoday.in facebook.com/janmattoday.in जनमत टुडे